Kendriya Vidyalaya Sarni

World Population Day - CALLIGRAPHY COMPETITION (English)

1st Position

Name - Eline Priyadarshini
Class - X th "B"
Roll no. - 16
School - Central School, Sarni.

Nationalism in India

As you have seen, modern nationalism in Europe came to be associated with the formation of nation-states. It also meant a change in people's understanding of who they were, and what defined their identity and sense of belonging. New symbols and icons, new songs and ideas forged new links and redefined the boundaries of communities. In most countries. In most countries the making of this new national identity was a long process. How did this consiousness emerge in India?

In India, as in vietnam & many other colonies, the growth of modern nationalism is intimately connected to the anti-colonial movement. People began discovering their

unity in the process of their struggle with colonialism. The sense of being oppressed under colonialism provided a shared bond that tied many different groups together. But each class & group felt the effects of colonialism differently, their experiences were raised, their notions of freedom were not always the same. The congress under Mahatma Gandhi tried to forge these groups together within one movement.

Kendriya Vidyalaya Sarni

World Population Day - CALLIGRAPHY COMPETITION (English)

2nd Position

Name → Ankit Patil
Class → 12th 'B'

classmate
Date
Page

2nd

Chemical Kinetics

Along with feasibility and extent, it is equally important to know the rate and the factors controlling the rate of a chemical reaction for its complete understanding. For example, Which parameters determine as to how rapidly setting material for dental filling? or what controls the rate at which fuels burns in an auto engine?

All these questions can be answered by the branch of Chemistry, which deals with the study of reaction rates and their mechanisms, called chemical kinetics. The world kinetics is derived from the Greek word 'kinesis' meaning movement. Thermodyanamics tells only about the feasibility of a reaction whereas chemical kinetics tells about the rate of a reaction. For example, thermodynamic data indicate that diamond shall convert to graphite but in reality the conversion rate is so slow that the change is not perceptible at all.

Sanchita Punjabi

XI A

Kendriya Vidyalaya Sarni

World Population Day - CALLIGRAPHY COMPETITION (English)

3rd Position

3rd

DATE: / /

One day back there in the good old days when I was nine and the world was full of every imaginable Kind of magnificence, and life wass still a delightful and mysterious dream, my cousin Mourad, who was considered crazy by everybody who Knew him except me, came to my house at four in the morning and woke up tapping window of my room.

Aram he said.
I jumped out of bed and looked out of the window.
I couldn't believe what I was.
It wasn't morning yet, but it was summer and with daybreak not many time around the corner of the world it was light enough for me to Know I wasn't dreaming.

रोशन पवाँर
12वीं "ब"

Kendriya Vidyalaya Sarni

World Population Day - CALLIGRAPHY COMPETITION (Hindi)
1st Position

उमाशंकर जोशी

बीसवीं सदी की गुजराती की कविता और साहित्य को नयी भंगिमा और नया स्वर देने वाले उमाशंकर जोशी का साहित्यिक अवदान पूरे भारतीय साहित्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्हें परंपरा का गहरा ज्ञान था। कालिदास के अभिज्ञान शाकुंतलम और भवभूति के उत्तर-रामचरित का उन्होंने गुजराती में अनुवाद किया। ऐसे अनुवाद गुजराती साहित्य की अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ाने वाले थे। बतौर कवि उमाशंकर जी ने गुजराती कविता को प्रकृति से जोड़ा, आम ज़िंदगी के अनुभव से परिचित कराया व नयी शैली दी। जीवन के सामान्य प्रसंगो पर सामान्य बोलचाल की भाषा में कविता लिखने वाले भारतीय आधुनिकतावादियों में अन्यतम हैं जोशी जी। कविता के साथ-साथ साहित्य की दूसरी विधाओं में भी उनका योगदान बहुमूल्य है, खासकर साहित्य की आलोचना में।

निबंधकार के रुप मे वे बेजोड़ माने जाते हैं। उमाशंकर जोशी उन साहित्यिक व्यक्तित्व में हैं जिनका भारत की आज़ादी की लड़ाई से रिश्ता रहा। आज़ादी की लड़ाई के दौरान वे जेल भी गए।

उमाशंकर जोशी की लिखी कविता छोटा मेरा खेत खेती के रुपक मे कवि-कर्म के हर चरण को बाँधने की कोशिश के रुप मे पढ़ी जा सकती हैं।

Kendriya Vidyalaya Sarni

World Population Day –
CALLIGRAPHY COMPETITION (Hindi)
2nd Position

अक्षय कुमार दवंडे
12 th 'A' [02]

2nd

PAGE NO
DATE 26 6 2000

हिन्दी लेखन प्रतियोगीता

जहाँ बैठ के यह लेख लिख रहा हूँ उसके आगे-पीछे, दाँए-बाएँ, शिरीष के अनेक पेड़ है। जेठ की जलती धूप मे जबकि धरित्री निर्धूम अग्निकुंड बनी हुई थी, शिरीष नीचे से ऊपर तक फूलों से लद गया था। कम फूल इस प्रकार की गरमी में फूल सकने की हिम्मत करते हैं। कर्णिकार और आरग्वध की बात मैं भूल नहीं रहा हूँ। वे भी आस-पास बहुत हैं। लेकिन शिरीष के साथ आरग्वध की तुलना नहीं की जा सकती। वह पंद्रह दिन के लिए लहक उठता है, फूलता है, वसंत ऋतु के पलाश की भाँति। कबीरदास को इस तरह पंद्रह दिन के लिए लहक उठना पसंद नहीं था। यह भी क्या कि दस दिन फूले और फिर खंखड़-के-खंखड़-'दिन दस फूला फूलिके खंखड़ भया पलास!' ऐसे दुमदारों से तो लँडूरे भले। फूल है शिरीष। वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है, आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्घात फूलता रहता है। जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है,

Kendriya Vidyalaya Sarni

World Population Day –
CALLIGRAPHY COMPETITION (Hindi)
3rd Position

प्रीति लोखण्डे
X "A"

3rd

classmate
Date
Page

नेताजी का चश्मा

हालदार साहब को हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुज़रना पड़ता था। कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसा एक ही बाज़ार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल, एक लड़कियों का स्कूल, एक सीमेंट का छोटा-सा कारखाना, दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक ठो नगरपालिका भी थी। नगरपालिका थी तो कुछ-न-कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभी कुछ पेशाबघर बनवा दिए, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मेलन करवा दिया। इसी नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी। यह कहानी उसी प्रतिमा के बारे में है, बल्कि उसके भी एक छोटे-से हिस्से के बारे में।